दिल्ली, उ0प्र0, हरियाणा, पंजाब, गुजरात एवं राजस्थान में प्रसारित।

गुरुकृपा दर्पण

राष्ट्रीय हिन्दी साप्ताहिक

UTTHIN/2022/85670

डाक सं० UA/DO/DON/02/2024-2026

वर्ष : 04 | अंक : 27 | हरिद्वार | शनिवार, 19 जुलाई, 2025 | मूल्य : एक रुपया | पृष्ठ : 4

मुख्यमंत्री धामी ने नानकमत्ता साहिब गुरुद्वारे में टेका मत्था

जतिन शर्मा

देहरादून/उधमसिंह नगर। उत्तराखंड के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने आज अपने एक दिवसीय जनपद भ्रमण के दौरान उधमसिंह नगर के पावन नानकमत्ता साहिब गुरुद्वारा पहुंचकर मत्था टेका और प्रदेशवासियों के सुख-समृद्धि के लिए कामना की। उन्होंने गुरुद्वारे में दर्शन कर शांत वातावरण में कुछ समय व्यतीत किया एवं सिख परंपराओं और सिख संतों की शिक्षाओं को नमन किया। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने गुरुद्वारे में उपस्थित छोटे बच्चों से आत्मीय संवाद किया, उन्हें स्नेहपूर्वक आशीर्वाद दिया और शिक्षा व सेवा की भावना को जीवन में अपनाने की प्रेरणा दी। बच्चों के चेहरों पर मुख्यमंत्री से मिलने का विशेष उत्साह और उमंग देखने को मिला। मुख्यमंत्री धामी ने कहा कि नानकमत्ता साहिब केवल एक तीर्थ स्थल नहीं, बल्कि एक आध्यात्मिक केंद्र है जो सेवा, करुणा और समानता जैसे मूल्यों का प्रतीक है। उन्होंने कहा कि उत्तराखंड धार्मिक पर्यटन का अद्वितीय केंद्र बनता जा रहा है, और राज्य सरकार इस दिशा में हरसंभव प्रयास कर रही है। उन्होंने क्षेत्र की जनता को हरेला पर्व की शुभकामनाएं भी दीं और प्रदेश को हरित, स्वच्छ एवं विकसित उत्तराखंड बनाने के संकल्प को दोहराया। मुख्यमंत्री के साथ प्रशासनिक अधिकारियों, जनप्रतिनिधियों तथा गुरुद्वारा प्रबंधक समिति के पदाधिकारियों की उपस्थिति रही। गुरुद्वारा प्रबंधन द्वारा मुख्यमंत्री का अंगवस्त्र अभिनंदन किया गया।

जागरूकता के लिए नशे के विरुद्ध कार्यक्रम आयोजित

देहरादून/रायवाला। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी के आदेश अनुसार नशा मुक्त अभियान के अंतर्गत टूरिस्ट पॉलिसी अधीक्षक महोदय देहरादून के आदेश अनुसार प्रभारी निरीक्षक बी एल भारती थाना रायवाला के नेतृत्व में देव संस्कृति विश्वविद्यालय हरिपुर कलां में हेड कांस्टेबल सुधीर सैनी व कांस्टेबल आनंद सिंह, देव संस्कृति विश्वविद्यालय सुरक्षा अधिकारी डॉ अरुणेश पाराशर और स्टाफ के द्वारा विश्वविद्यालय की छात्र-छात्राओं और निवासरत व्यक्तियों को जीवन में अच्छे स्वास्थ्य का महत्व बताकर नशे के व्यक्तिगत शारीरिक पारिवारिक सामाजिक आर्थिक दुष्प्रभाव के बारे में बताकर और नशे की बुरी आदतों से कैसे बचा जा सके, अपने बच्चों और परिवार को कैसे स्वस्थ रखा जा सके ।

ग्रामोत्थान (रीप) परियोजना ने खुशी स्वयं सहायता समूह को बनाया लखपति:फूलों की खेती से खुली समृद्धि की राह

जतिन शर्मा

हरिद्वार। मुख्य विकास अधिकारी आकांक्षा कोण्डे के निर्देशों के क्रम में जनपद हरिद्वार के समस्त विकासखंडों में अल्ट्रा पूवर सपोर्ट, एंटरप्राइजेज (फॉर्म एवं नॉन फॉर्म), सीबीओ लेवल के एंटरप्राइजेज की स्थापना की गई है। इसी कड़ी में, ग्रामोत्थान (रीप) परियोजना के सहयोग से, नारसन विकासखंड के हरचंदपुर गांव के खुशी स्वयं सहायता समूह ने फूलों की खेती (फ्लोरीकल्चर) के अपने व्यवसाय को नई पहचान और समृद्धि दिलाई है। पहले, खुशी स्वयं सहायता समूह फूलों की खेती अत्यंत सूक्ष्म स्तर पर कर रहा था। समूह की आर्थिक स्थिति बेहद कमजोर थी और वे जीवन की मूलभूत आवश्यकताएं भी पूरी नहीं कर पा रहे थे। तभी एन.आर.एल.एम. की टीम उनके पास पहुँची और उन्हें समूह से जुड़ने के लाभों के बारे में बताया गया, जिसके परिणामस्वरूप खुशी स्वयं सहायता समूह का गठन हुआ। समूह गठन की तिथि 16 जनवरी, 2025 है और इसकी अध्यक्षा आंचल देवी हैं। समूह से जुड़ने के बाद, उन्हें ग्रामोत्थान (रीप) परियोजना से न केवल आर्थिक और सामाजिक सहयोग मिला, बल्कि फ्लोरीकल्चर उत्पादन को व्यावसायिक ढंग से करने का प्रशिक्षण भी प्राप्त हुआ, जिसने उनकी सफलता की यात्रा का मार्ग प्रशस्त किया। ग्रामोत्थान (रीप) परियोजना ने खुशी स्वयं सहायता समूह को ग्राम मुंडलाना में स्थापित श्री राधे कृष्णा बहुद्देश्यीय स्वायत्त सहकारिता (सी.एल.एफ.) से जोड़ा। वित्तीय वर्ष 2024-25 के लिए, नारसन ब्लॉक द्वारा समूह के लिए 10 लाख रुपये का एक विस्तृत व्यावसायिक प्लान तैयार किया गया। इस योजना के तहत, समूह को बैंक से 3 लाख रुपये का ऋण दिलाया गया, साथ ही लाभार्थियों ने स्वयं 1 लाख रुपये का अंशदान किया और परियोजना द्वारा 6 लाख रुपये की अतिरिक्त वित्तीय सहायता प्रदान की गई। इस महत्वपूर्ण सहयोग से लाभार्थियों के पास कार्यशील और स्थायी पूंजी का वह अभाव दूर हो गया, जो उनके व्यवसाय के विस्तार में बाधा बन रहा था। आज, खुशी स्वयं सहायता समूह पूरे उत्साह के साथ अपने व्यवसाय को बढ़ा रहा है। वर्तमान में वे 9 बीघा जमीन पर गेंदे के फूलों की खेती कर रहे हैं और एक सफल व्यावसायिक इकाई के रूप में स्थापित हो चुके हैं। पिछले छह महीनों (एक साइकिल) में, समूह ने 20,000 पौधे 12 प्रति पौधे की दर से खरीदे, कुल 2,40,000 की लागत आई। उन्होंने 30,000 किलोग्राम फूल ?30 प्रति किलोग्राम की दर से बेचे, जिससे 9,00,000 की बिक्री हुई। सभी खर्चों (जैसे खाद, बीज, भूमि किराया, मजदूरी, परिवहन, आदि) को घटाने के बाद, समूह ने ?4,21,800 का शुद्ध लाभ अर्जित किया है। खुशी स्वयं सहायता समूह की यह सफलता प्रधानमंत्री जी द्वारा देखे गए लखपति दीदी के सपने का एक प्रत्यक्ष प्रमाण है। यह कहानी उन सभी के लिए प्रेरणा है जो दृढ़ संकल्प और सही समर्थन से अपनी और अपने परिवार की जिंदगी बदल सकते हैं।

गुरुकृपा दर्पण (राष्ट्रीय समाचार पत्र) को आवश्यकता है उत्तराखण्ड एवं उत्तर प्रदेश के समस्त जिलों के लिए ब्यूरो चीफ, कैमरा मैंन, संवादाताओं की। सम्पर्क करें – 9410731129, 9548880101

सम्पादकीय

सोशल मीडिया का प्रभाव

सम्पादक – देवेन्द्र जौहरी

डिजिटल युग के इस दौर में सोशल मीडिया के माध्यम समूचे समाज को बुरी तरह से प्रभावित कर रहे हैं। शहरीकरण के साथ ही संयुक्त परिवार का स्थान एकल परिवार ने ले लिया है तो समय की कमी, अंधी प्रतिस्पर्धा, माता-पिता व परिजनों का लिखने पढ़ने से परहेज, बच्चों को प्रतियोगिता परीक्षा की तैयारी में ही जुटा देने और होमवर्क और ट्यूशन कल्चर पढ़ाई की दशा और दिशा को ही बदल दिया है। कोरोना के बाद तो जिस तरह से मोबाइल को ही अध्ययन का माध्यम बनाया गया उससे भी बच्चे मोबाइल के दास हो गए। अब तो स्कूलों में भी सभी संदेश मोबाइल पर ही देने का चलन चल गया है और इससे स्कूल की डायरी का भी कोई महत्व नहीं रह गया है। ऐसे में मोबाइल ही माध्यम हो जाने से बच्चों का मोबाइल गेम्स से लेकर सोशल मीडिया के माध्यमों द्वारा बालमन को सीधे सीधे प्रभावित किया जा रहा है। मनोविज्ञानियों और शिक्षा-समाज के क्षेत्र में काम कर रहे विशेषज्ञों को दायित्व इससे और अधिक बढ़ गया है। एक समय था जब बच्चों को कोर्स में पढ़ाई जाने वाली पुस्तकों के इतर मानसिक और चारित्रिक विकास वाले साहित्य को पढ़ने के लिए प्रेरित किया जाता था। आज पंचतंत्र, हितोपदेश, ईसप की कहानियां जेन जेड पीड़ी भी नहीं जानती होगी तो फिर देश विदेश के अन्य उत्कृष्ट साहित्य को पढ़ने पढ़ाने की तो दूर की बात होगी। देखा जाये तो सोशल मीडिया, इंटरनेटी आभासी दुनिया, एकल और प्रतिस्पर्धात्मक पारिवारिक स्थिति से बालपन बुरी तरह से प्रभावित हो रहा है।

हरेला पर्व पर रोटरी क्लब कनखल द्वारा पर्यावरण संरक्षण की अनूठी पहल

जतिन शर्मा

हरिद्वार। रोटरी क्लब कनखल अध्यक्ष हरपाल सिंह के निर्देशन में शुक्रवार को सिडकुल कोतवाली के पास रोटरी क्लब कनखल हरिद्वार की ओर से रविवार को हरेला पर्व पर एक पेड़ माँ के नाम अभियान के तहत 50 पौधों का रोपण कर पर्यावरण संरक्षण का संकल्प लिया। कार्यक्रम में क्लब के सदस्यों की ओर से अनूठी पहल करते हुए माता-पिता और परिजनों के नाम, एक पौधा अभियान की शुरूआत की। रविवार को शुरू हुए अभियान में क्लब के सदस्यों और स्थानीय नागरिकों और पुलिस प्रशासन ने भी सक्रिय भागीदारी निभाई। डॉ. विशाल गर्ग ने कहा कि हरेला पर्व हमें न केवल हरियाली की महत्ता बताता है, बल्कि यह भी सिखाता है कि प्रकृति हमारी सबसे बड़ी धरोहर है। हमें हरेला पर्व पर ही नहीं हर समय पेड़ पौधों का ध्यान रखना चाहिए और समय-समय पर पेड़ लगाने भी चाहिए। कहा कि पेड पौधों की देखभाल भी करनी चाहिए और उन्होंने कहा के रोटरी क्लब कनखल की यह पहल निश्चित ही समाज में पर्यावरणीय चेतना और भावनात्मक समर्पण का सुंदर संदेश प्रसारित करती है।पौधरोपण कर हरेला पर्व मनाने की भावना को सार्थक किया। इसके बाद सभी सदस्यों ने पेड़ों की देखभाल की जिम्मेदारी की शपथ ग्रहण की। क्लब के सचिव राजीव अरोड़ा ने कहा इस अभियान का उद्देश्य पर्यावरण के प्रति जागरूकता बढ़ाना है द्यऔर उन्होंने बताया 卐एक पेड़ मां के नाम卐 अभियान न केवल हरियाली बढ़ाने का माध्यम है, बल्कि यह मातृ-स्नेह और प्रकृति की सुरक्षा का प्रतीक भी है। रोटरी क्लब कनखल की यह पहल निश्चित ही समाज में पर्यावरणीय चेतना और भावनात्मक समर्पण का सुंदर संदेश प्रसारित करती है।पर्यावरण के प्रति जागरूकता को समर्पित इस अवसर पर सचिव राजीव अरोड़ा, कोषाध्यक्ष चेतन घई, प्रोजेक्ट चेयर गौरव शर्मा, डॉ? विशाल गर्ग, बिक्रमजीत सिंह, पुलिस प्रशासन टीम से अनुज चौधरी, मीनाक्षी बिष्ट, देवेन्द्र चौधरी, राजवीर आदि और भी सदस्य उपस्थित रहे।

हरेला का त्योहार मनाओ, धरती माँ का ऋण चुकाओ थीम पर पूर्व मंत्री अग्रवाल ने किया पौधा रोपण

जतिन शर्मा

ऋषिकेश। क्षेत्रीय विधायक व पूर्व मंत्री डॉ प्रेमचंद अग्रवाल ने हरेला का त्योहार मनाओ, धरती माँ का ऋण चुकाओ थीम पर कार्यकर्ताओं के साथ पौधा रोपा। बैराज रोड स्थित कैंप कार्यालय में पौधारोपण कर डॉ अग्रवाल ने कहा कि हरेला केवल एक पर्व नहीं, बल्कि उत्तराखंड की संस्कृति, प्रकृति और चेतना से जुड़ा एक गहरा भाव है, जो हमें पर्यावरण के प्रति हमारी जिम्मेदारियों की याद दिलाता है। डॉ अग्रवाल ने कहा कि हमें यह सुनिश्चित करना होगा कि लगाए गए पौधों की नियमित देखभाल की जाए, जब तक वे वृक्ष का रूप न ले लें। उन्होंने कहा कि उत्तराखंड प्राकृतिक सौंदर्य और जैव विविधता से समृद्ध राज्य है, जिसकी रक्षा करना हम सभी का नैतिक कर्तव्य है। डॉ अग्रवाल ने आह्वान किया कि वे अपने जीवन के विशेष अवसरों पर एक पौधा अवश्य लगाएं और उसकी देखभाल करें, जिससे पर्यावरण संरक्षण को जनांदोलन बनाया जा सके। इस अवसर पर मंडल अध्यक्ष श्यामपुर चंद्रमोहन पोखरियाल, सुरेंद्र कुमार, महामंत्री पंकज जुगलान, सतपाल राणा, रविन्द्र राणा, दिनेश पयाल, शिव कुमार गौतम, गोपाल सती, रजनीश शर्मा, सुमित तिवाड़ी, अरुण बडोनी, अखिलेश मित्तल, राजवीर रावत, भास्कर बिजल्वाण आदि उपस्थित रहे।

गांवों में गूंजने लगा पंचायत चुनाव का शोर, प्रत्याशी चुनाव चिह्न के साथ मैदान में

संवाददाता।

अल्मोड़ा। जनपद में त्रिस्तरीय पंचायत चुनाव का माहौल पूरी तरह परवान चढ़ चुका है। शुक्रवार को हवालबाग, द्वाराहाट, सल्ट, भिकियासैंण और स्याल्दे ब्लॉक में चुनाव चिह्न आवंटन की प्रक्रिया पूरी होने के साथ ही प्रत्याशी चुनाव प्रचार में जुट गए हैं। इससे पहले मंगलवार को ताकुला, धौलादेवी, ताड़ीखेत, भैंसियाछाना, लमगड़ा और चौखुटिया में भी चुनाव चिह्न बांटे गए थे। चुनाव चिह्न मिलते ही प्रत्याशी अपने-अपने समर्थकों संग प्रचार सामग्री और चुनाव चिह्नों को झोले में भर गांवों की ओर निकल पड़े हैं। गांव-गांव में अब चुनावी शोर सुनाई देने लगा है। कोई कप-प्लेट, कोई अंगूठी, तो कोई कटहल, अनानास और उगता सूरज जैसे प्रतीकों के साथ अपनी पहचान बना रहा है। समर्थक भी प्रत्याशियों के नाम और चुनाव चिह्नों के साथ प्रचार में जुट गए हैं। जैसे-जैसे मतदान की तारीख नजदीक आ रही है, प्रचार की रफ्तार बढ़ रही है। प्रत्याशी विकास के वादे और दावों के साथ गांवों में डेरा जमाने लगे हैं। हालांकि, इस बार कई पुराने प्रतिनिधियों के सामने चुनौती भी बड़ी है। ग्रामीणों में पहले जैसी उत्सुकता और भरोसा पुराने चेहरों के प्रति कम नजर आ रहा है। मतदाता साफ कह रहे हैं कि उन्होंने पूर्व में मौका दिया, लेकिन अपेक्षित विकास नहीं हुआ। वहीं कुछ ऐसे प्रतिनिधि भी हैं जिन्होंने अपने पिछले कार्यकाल में प्रभावशाली काम किए हैं और जिन पर ग्रामीणों का विश्वास कायम है। ऐसे प्रत्याशियों को दोबारा मौका मिलने की संभावना जताई जा रही है।

देवेन्द्र जौहरी
सहसम्पादक
जतिन शर्मा
सहसम्पादक
विक्रान्त शर्मा
कानूनी सलाहकार
जसमहिन्द्र सिंह एडवोकेट

हाई रिस्क गर्भवती महिला का सुरक्षित संस्थागत प्रसव

चमोली। माननीय स्वास्थ्य मंत्री डॉ. धन सिंह रावत के निर्देशों एवं मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. अभिषेक गुप्ता के मार्गदर्शन में जनपद चमोली में स्वास्थ्य विभाग द्वारा गर्भवती महिलाओं के सुरक्षित प्रसव हेतु विशेष अभियान चलाया जा रहा है। इसी क्रम में दशोली ब्लॉक के खैनुरी गांव की उच्च जोखिम वाली गर्भवती महिला का सुरक्षित संस्थागत प्रसव कराना स्वास्थ्य विभाग की बड़ी उपलब्धि रही। खैनुरी गांव की 26 वर्षीय श्रीमती विनीता देवी पत्नी श्री सूरज लाल, को गर्भावस्था के सातवें महीने के अंत में अत्यधिक खून की कमी (हीमोग्लोबिन केवल 7 ग्राम) पाई गई थी। इससे उनके प्रसव में जटिलताएं उत्पन्न होने की आशंका थी।

समय पर स्वास्थ्य विभाग की टीम द्वारा महिला की स्थिति को पहचाना गया और प्रभारी चिकित्सा अधिकारी डॉ. रश्मि पुरोहित के नेतृत्व में एएनएम श्रीमती कुसुम बिष्ट एवं आशा कार्यकर्ता श्रीमती सतेश्वरी देवी द्वारा प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र दशोली में महिला को 'आयरन सुक्रोज इंजेक्शन' द्वारा विशेष आयरन थेरेपी दी गई। लगातार फॉलोअप के बाद आज 18 जुलाई 2025 को प्रसव पीड़ा शुरू होने पर आशा कार्यकत्री एवं एएनएम द्वारा महिला को स्वास्थ्य विभाग के वाहन से प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र चमोली लाया गया, जहां अनुभवी महिला चिकित्सक एवं प्रशिक्षित स्टाफ की देखरेख में महिला का सफल प्रसव कराया गया। विनीता देवी ने 3.50 किलोग्राम वजन के स्वस्थ नवजात पुत्र को जन्म दिया। वर्तमान में जच्चा-बच्चा दोनों पूरी तरह स्वस्थ हैं। उल्लेखनीय है कि प्रसव के समय महिला का हीमोग्लोबिन स्तर 10 ग्राम पाया गया। स्वास्थ्य विभाग की सक्रियता, समय पर उपचार एवं ग्रामीण स्वास्थ्य टीम की सजगता के चलते एक उच्च जोखिम वाली गर्भवती महिला का सुरक्षित प्रसव संभव हो पाया।जिले में स्वास्थ्य विभाग की टीम लगातार सभी गर्भवती महिलाओं की जांच एवं देखरेख कर रही है ताकि किसी भी जटिलता की स्थिति में समय रहते आवश्यक उपचार उपलब्ध कराया जा सके।

महिला ने युवक पर लगाया भतीजी से दुष्कर्म करने का आरोप

काशीपुर। एक महिला ने एक युवक पर उसकी नाबालिग भतीजी के साथ धोखे से ले जाकर दुष्कर्म करने का आरोप लगाया है। पुलिस ने तहरीर के आधार पर आरोपी के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया है। पुलिस अब मामले की जांच कर रही है। कोतवाली क्षेत्र निवासी एक महिला ने पुलिस को तहरीर सौंपी। बताया कि बीते 5 मार्च को उसकी नाबालिग भतीजी साथ में पढ़ने वाली छात्रज्ञ के साथ स्कूल गई थी। इस दौरान दूसरी छात्रा ने उसकी भतीजी से कहा कि तेरे पापा का एक्सीडेंट हो गया है। इस दौरान वहां मौजूद एक प्रदीप नामक युवक ने उसको अपनी बाइक पर बैठा लिया और उसे रामनगर रोड पर ले गया। जहां उसने एक कमरे में ले जाकर उसके साथ दुष्कर्म किया और उसे वापस छोड़ दिया। पुलिस ने तहरीर के आधार पर आरोपी युवक के खिलाफ नामजद मुकदमा दर्ज किया गया है। एसएसआई अनिल जोशी ने बताया कि तहरीर के आधार पर मुकदमा दर्ज किया गया है। मामले की जांच कर सत्यता पाए जाने पर कार्रवाई की जाएगी।

आंचल ने अपने कर्मी पर छवि खराब करने का लगाया आरोप

देहरादून। दुग्ध संघ देहरादून ने अपने कर्मचारी राजीव कुमार पर संस्थान की छवि खराब करने और सोशल मीडिया के माध्यम से आंचल के खिलाफ दुष्प्रचार करने का आरोप लगाया है। आंचल के प्रधान प्रबंधक सक्षम श्रीवास्तव ने शुक्रवार को हुई प्रेसवार्ता में इसकी जानकारी दी। श्रीवास्तव ने बताया कि राजीव कुमार संस्थान में लैब असिस्टेन्ट हैं। पूर्व में दूसरे कर्मचारी राकेश चन्द्र भटट ने उन्हें अनुचित कार्य करने से रोका था, जिसके बाद दोनों कर्मचारियों के बीच मतभेदों हुआ। लिहाजा, राजीव का दुग्ध अवशीतन केंद्र लाखामण्डल और राकेश भट्ट का दुग्ध अवशीतन केंद्र हरर्बटपुर ट्रांसफर कर दिया गया। लेकिन राजीव ने आदेश का पालन नहीं किया और इसके खिलाफ उच्च न्यायालय में याचिका दायर कर दी। न्यायालय ने 19 मई को इसे याचिका अस्वीकार कर दी। बताया कि इसके बाद राजीव कुमार की पत्नी अंजना कौर 07 जुलाई 2025 से संस्थान परिसर में भूख हड़ताल पर बैठ गईं।

श्रीनगर में अलकनंदा नदी में समा रहा नगर निगम का कूड़ा

श्रीनगर गढ़वाल। चारधाम यात्रा के मुख्य मार्ग श्रीनगर में स्वच्छ भारत अभियान और गंगा को प्रदूषण मुक्त रखने के दावे हवाई साबित हो रहे हैं। नर्सरी रोड पर पुराना बस अड्डे के समीप नगर निगम श्रीनगर के अस्थायी ट्रंचिंग ग्राउंड का कूड़ा सुरक्षा दीवार न होने से अलकनंदा नदी में समा रहा है। इस मामले में पूर्व मुख्यमंत्री हरीश रावत ने भी सवाल खड़े किए हैं। अलकनंदा नदी किनारे फैले इस कूड़े की समस्या पर पूर्व मुख्यमंत्री और कांग्रेस के वरिष्ठ नेता हरीश रावत ने भी चिंता जाहिर की। उन्होंने सोशल मीडिया में लिखा है कि 'यह दृश्य अलकनंदा के तट का है। यह जो गंगा की सफाई का राष्ट्रीय अभियान है उसको लेकर हमारी गंभीरता पर बहुत सारे सवाल खड़ा करता है। स्थानीय निवासियों ने बताया कि कूड़ा का सही तरीके से निस्तारण न होने के कारण आसपास रह रहे लोगों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। कूड़े से उठती दुर्गंध से सांस लेना मुश्किल हो रहा है। साथ ही बैक्टीरिया फैलने से महामारी का खतरा बना हुआ है। मामले में नगर निगम श्रीनगर के सफाई निरीक्षक शशि पंवार ने बताया कि निगम के स्थायी ट्रंचिंग ग्राउंड प्लांट का निर्माण पूर्ण न होने से यह समस्या सामने आ रही है। जेसीबी मशीन से बीती गुरुवार रात्रि को 37 डंपर कूड़े को उठाकर गिरगांव साइट पर भेजे गए हैं। बताया कि पुराना बस अड्डे के पास अस्थायी ट्रांसफर स्टेशन में सुरक्षा दीवार के टूटने से कूड़ा बाहर फैल रहा है। यहां पर निगम सुरक्षा दीवार बना रहा है, जिससे कूड़ा अपनी सतह से बाहर नहीं जा सकेगा। अस्थायी ट्रांसफर स्टेशन में नगर के कूड़े को एकत्रित कर छंटाई की जाती है, जिसे बाद में गिरगांव सॉलिड वेस्ट मैनेजमेंट साइट पर ले जाया जाता है। बताया कि स्थायी ट्रंचिंग ग्राउंड का प्लांट गिरगांव में तैयार किया जा रहा है। 18 जून को वर्कआर्डर तैयार हो गया है। छह से आठ महीने में स्थायी ट्रंचिंग ग्राउंड तैयार कर लिया जाएगा। प्लांट में दो कम्पोस्ट पिट भी बनने हैं और नई मशीनें भी पहुंचनी हैं, जिससे मोटे और बारीक कूड़े को अलग किया जा सकेगा। गिरगांव में स्थायी प्लांट तैयार होने के बाद शहर के नजदीक और अलकनंदा नदी किनारे अस्थायी ट्रांसफर प्लांट से हो रही अव्यवस्था से जल्द जनता को निजात मिल सकेगा। अलकनंदा नदी किनारे अस्थायी ट्रांसफर प्लांट के कूड़े को रोकने के लिए सुरक्षा दीवार बनाने के लिए जेई को निर्देश दिए गए हैं। गिरगांव स्थायी प्लांट का निर्माण कार्य पूर्ण होते ही नर्सरी रोड स्थित अस्थायी ट्रांसफर प्लांट पर कूड़ा डंप नहीं किया जाएगा। भविष्य में यहां पार्किंग बनाई जाएगी, जिससे शहरवासियों को कोई समस्या नहीं होगी।

डोभालवाला के पेयजल उपभोक्ताओं ने जल संस्थान अधिकारियों का किया घेराव

देहरादून। वार्ड नंबर 10 डोभालवाला के परसोलीवाला क्षेत्र पिछले 10 दिन से पानी का संकट गहराया हुआ है। जल संस्थान अधिकारियों द्वारा भरसक प्रयास करने पर भी पेयजल समस्या का समाधान नहीं हो पा रहा। नाराज उपभोक्ताओं ने शुक्रवार को दिलाराम वाटर वर्क्स में पहुंचकर जल संस्थान के अधिकारियों का घेराव किया। स्थानीय जनप्रतिनिधि उदयवीर सिंह पंवार ने बताया कि पिछले दस दिनों से क्षेत्र में पानी नहीं आ रहा है। जल संस्थान के जेई यशवंत रावत और अन्य कर्मचारियों ने पिछले सात आठ दिनों से प्रयास करने के बावजूद अभी भी पानी की समस्या दूर नहीं हुई है। लिहाजा क्षेत्र की जनता को साथ लेकर जल संस्थान के राजपुर रोड दिलाराम बाजार स्थित दक्षिण डिवीजन के अधिशासी अभियंता आशीष भट्ट के कार्यालय का घेराव किया गया। अधिशासी अभियंता आशीष भट्ट और एसडीओ वंदना को क्षेत्र में पानी की समस्या से दुबारा अवगत कराया गया। इस पर आशीष भट्ट ने क्षेत्र में उपभोक्ताओं को राहत देने के लिये पानी की नई लाइन डालने का आश्वासन दिया। उन्होंने बताया कि क्षेत्र में पानी की लाइन पर पुस्ता गिरने से लाइन क्षतिग्रस्त हो गई थी। उसकी मरम्मत के बाद लाइन फिर ब्लॉक हो गई, इसलिए समाधान तलाशा जा रहा था। आश्वासन मिलने के बाद ही लोगों की नाराजगी दूर हुई।

प्रधानमंत्री आवास योजना में अनियमितता पर सीडीओ ने की कार्रवाई

जतिन शर्मा

हरिद्वार। जिला विकास अधिकारी ने प्रधानमंत्री आवास योजना में अनियमितता पाए जाने पर विनय प्रताप, ग्राम विकास अधिकारी की स्थायी रूप से आगामी एक वार्षिक वेतनवृद्धि पर रोक लगाते हुए दंडित किया है। यह कार्रवाई उनकी तत्कालीन ग्राम पंचायत-इब्राहीमपुर मसाही विकास खण्ड-भगवानपुर में प्रधानमंत्री आवास योजना में आवास निर्माण से संबंधित जांच के बाद की गई है, जिसमें वह दोषी पाए गए हैं। मुख्य विकास अधिकारी ने स्पष्ट किया है कि यदि भविष्य में इस प्रकार की अनियमितताओं की पुनरावृत्ति पाई जाती है तो अन्य ग्राम विकास अधिकारियों के खिलाफ भी कड़ी विभागीय अनुशासनात्मक कार्रवाई की जाएगी। यह कदम प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत पारदर्शिता और जवाबदेही सुनिश्चित करने के लिए उठाया गया है। प्रशासन भ्रष्टाचार के प्रति जीरो टॉलरेंस की नीति पर कायम है और सभी अधिकारियों को नियमों का कड़ाई से पालन करने के निर्देश दिए गए हैं।

सफाई कर्मचारियों को बांटे रेनकोट

हरिद्वार। नगर निगम प्रशासन ने मानसून के सीजन में सफाई व्यवस्था को प्रभावी बनाए रखने के लिए संविदा कर्मचारियों को रेनकोट बांटे। मेयर किरन जैसल ने कहा कि बारिश के समय सफाई कर्मचारियों को लगातार कठिन परिस्थितियों में कार्य करना पड़ता है। उनकी सेवाएं बाधित न हों, इसके लिए यह कदम उठाया गया है।

बीईजी आर्मी तैराक दल के जवान रोजाना बचा रहे हैं शिव भक्त कांवडियों का बहुमूल्य जीवन

जतिन शर्मा

हरिद्वार। जिलाधिकारी मयूर दीक्षित एवं वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक परमेन्द्र डोबाल के निर्देशन, पुलिस अधीक्षक नगर पंकज गैरोला, अपर जिलाधिकारी फिंचाराम के मुख्य संयोजन एवं बीईजी आर्मी तैराक दल के नोडल अधिकारी इंडियन रेडक्रास सचिव डॉ. नरेश चौधरी के संयोजन में बीईजी आर्मी के तैराक दलों ने अपनी मोटर बोटों एवं सभी संशाधनों के साथ कांवडियों की सुरक्षा के लिये गंगा के विभिन्न घाटों पर तैनात होकर अपनी पूर्ण कर्मठता से कांवडियों को डूबने से बचाने के लिये अपनी सम्पूर्ण शक्ति झोंक दी जिसकी कांवडियों/श्रद्धालुओं/यात्रियों द्वारा मुक्त कंठ से सराहना की जा रही है। कांवड मेला इस समय अपने पूर्ण सैलाब पर है जिसमें लाखों कांवडिये रोजाना हरिद्वार से जल लेकर अपने-अपने गंतव्य स्थानों पर प्रस्थान कर रहे हैं। कांविडयों द्वारा गंगा स्नान के साथ-साथ गंगा में गहराई में जाकर तैरने की कोशिश

की जाती है जिसके कारण कांवड़ियों की गंगा में डूबने की घटना होती है। इसी को मध्यनजर रखते हुए जिलाधिकारी मयूर दीक्षित की विशेष पहल पर बीईजी आर्मी के कमाण्डेंट ब्रिगेडियर के.पी. सिंह, कर्नल अभिषेक पोखरियाल, ले. कर्नल विवेक सिंह, मेजर एलपी काम्बोज के नेतृत्व में सूबेदार लखबीर सिंह, नायब सूबेदार कुलविन्दर सिंह, हवलदार तन्मय, हवलदार अनिल कुमार, लांसनायक अमित कुमार यादव, सोमनाथ, प्रमोद चन्द्र अनिल कुमार, राजेश कुमार, हवलदार त्रिलोक सिंह, नायक जगमीत सिंह, सैपर सुरेन्द्र सिंह, सैपर गुडडू सिंह, सैपर श्रीजीत एसपी, सैपर प्रीतम द्वारा कांवड मेला क्षेत्र हरकी पैड़ी के आसपास के सभी घाट, गऊघाट, सुभाषघाट, सीसीआर घाट, कुशाघाट, हाथीपुल, रोडी बेलवाला घाट, रामघाट, विष्णुघाट, हनुमान घाट, बिरला घाट, अलकनन्दा घाट तथा रुड़की गंग नहर के गणेश पुल, सोलानी पुल, पिरान कलियर, धनौरी तक के सभी क्षेत्रों में लगातार निगरानी की जा रही है। जहां से भी देखने में आता है अथवा सूचना प्राप्त होती है कि कोई कांवडिया/श्रद्धालु गंगा में डूब रहा है तो तुरन्त आर्मी तैराक दल के सैनिक अपनी मोटर बोट से मौके पर पहुंचकर कांवडियों की जान बचा रहे हैं। बीईजी आर्मी तैराक दलों ने अब तक 22 शिवभक्त्त कांवड़ियों की जान बचाकर रेडक्रास स्वयंसेवकों द्वारा प्राथमिक उपचार उपरान्त सुरक्षित कर गंतव्य स्थानों को प्रस्थान कर दिया है जिसके लिए सभी कांवड़ियों एवं उनके परिवारों द्वारा बीईजी आर्मी, इंडियन रेड़क्रास एवं जिला प्रशासन की सराहना की जा रही है। बीईजी आर्मी तैराक दल के नोडल अधिकारी इंडियन रेडक्रास सचिव डॉ. नरेश चौधरी ने अवगत कराया कि इस वर्ष भी कांवडियों की अपार बढ़ती हुई संख्या को देखते हुए जिलाधिकारी मयूर दीक्षित द्वारा जल पुलिस, एनडीआरएफ, एसडीआरएफ के साथ बीईजी आर्मी तैराक दलों को भी संवेदनशील कांवड़ मेला क्षेत्रों में तैनात कराया गया जोकि सम्पूर्ण कांवड़ मेला क्षेत्रों में कांवडियों/श्रद्धालुओं/यात्रियों को गंगा में डूबने से बचाने के लिए समर्पित होकर सच्ची सेवा कर रहे हैं। जिसके लिये भारतीय सेना हमेशा अग्रणीय रहती है और जन समाज भी कांवड़ियों के साथ-साथ सैनिकों का सम्मान करते हुए प्रशंसा कर रहा है। आर्मी तैराक दलों के साथ इंडियन रेड़क्रास स्वयंसेवक भी कांवड़ियों / श्रद्धालुओं को प्राथमिक उपचार तो दे ही रहे हैं साथ ही कांवड़ियों से गंगा में गहराई में नहीं जाने तथा पुलों से नहीं कूदने की अपील भी माइकिंग कर प्रसारित कर रहे हैं।

समय पर टीकाकरण व जागरूकता से होगा रेबीज का खात्मा

जतिन शर्मा

ऋषिकेश। अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान में सामुदायिक चिकित्सा विभाग और सेंटर फॉर एक्सीलेंस वन हेल्थ के संयुक्त तत्वाधान में रेबीज की रोकथाम और नियंत्रण हेतु %वन हेल्थ अप्रोच% विषय पर सीएमई का आयोजन किया गया। इस दौरान प्रतिभागी विशेषज्ञों ने पशु चिकित्सा और सार्वजनिक स्वास्थ्य के बहुउद्देश्यीय सहयोग पर बल दिया। एम्स के सीएफएम विभाग और सेंटर फॉर एक्सीलेंस वन हेल्थ के संयुक्त तत्वाधान में आयोजित सतत चिकित्सा शिक्षा (सीएमई) कार्यक्रम में चिकित्सा, पशु चिकित्सा और सार्वजनिक स्वास्थ्य से जुड़े विशेषज्ञों ने रेबीज की रोकथाम और इसके नियंत्रण पर व्यापक चर्चा कर बहुउद्देश्यीय सहयोग अपनाने की बात कही। मुख्य अतिथि संस्थान की कार्यकारी निदेशक प्रो० मीनू सिंह ने सीएमई का उद्घाटन करते हुए कहा कि समय पर टीकाकरण, जन जागरूकता और विभिन्न विभागों के बीच समन्वय स्थापित कर रेबीज को शत प्रतिशत रोका जा सकता है। उन्होंने कहा कि इसके लिए वन हेल्थ अप्रोच के माध्यम से पशु और मानव स्वास्थ्य के बीच संबन्धों को समझते हुए बेहतर रणनीतियां बनायी जा सकती हैं। विशिष्ट अतिथि रायबरेली एम्स के सीएफएम विभाग के हेड प्रो० भोला नाथ ने कहा कि रेबीज एक बहुआयामी स्वास्थ्य संकट है जिसमें टिकाऊ समाधान तलाशने की आवश्यकता है। इसके लिए उन्होंने मानव-पशु संपर्क को समझते हुए वन हेल्थ दृष्टिकोण अपनाने की सलाह दी। सीएमई को डीन एकेडमिक प्रो० जया चतुर्वेदी, डीन रिसर्च प्रो० शैलेन्द्र हाण्डू, चिकित्सा अधीक्षक प्रो० सत्याश्री, सीएफएम की हेड प्रो० वर्तिका सक्सेना, डॉ० रंजीता कुमारी और डॉ० महेन्द्र सिंह, माईक्रोबायलॉजी के डॉ० योगेन्द्र प्रताप मथुरिया, पशु चिकित्सा अधिकारी डॉ० अमित अरोड़ा आदि ने भी संबोधित किया। वक्ताओं ने रेबीज जैसी अन्य बीमारियों को पूरी तरह से रोकने के लिए वन हेल्थ अप्रोच को अपनाने पर जोर दिया। साथ ही आवारा और पालतु पशुओं का नियमित स्तर पर टीकाकरण, जागरूकता अभियान संचालित करने, रेबीज जांच की सही प्रक्रिया अपनाने, रोग नियंत्रण में प्रयोगशालाओं की भूमिका आदि विषयों पर व्यापक मंथन कर विस्तृत चर्चा की। वन हेल्थ प्रोजेक्ट के नोडल अधिकारी सीएफएम विभाग के डॉ० महेन्द्र सिंह ने रेबीज की एपिडेमियोलॉजी पर विस्तार से जानकारी दी और बताया कि डब्लू.एच.ओ के अनुसार प्रति वर्ष लगभग 5० हजार से अधिक लोगों की रेबीज के कारण मृत्यु हो जाती है। बताया कि अकेले भारत में ही 37 लाख डॉग बाइट के मामले दर्ज हो चुके हैं। सीएमई में डॉ० सुरेखा किशोर, डॉ० प्रदीप अग्रवाल, डॉ० स्मिता सिन्हा के अलावा वन हेल्थ प्रोजेक्ट के डॉ० प्रियंका नैथानी, नीरज रणकोटी, दीक्षा, नीरजा भट्ट सहित एसआर, जेआर व अन्य कई मौजूद रहे।

गैरसैंस में विशेषज्ञ चिकित्सकों को लेकर कांग्रेस का प्रदर्शन

चमोली। सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र गैरसैंण में विशेषज्ञ चिकित्सकों की तैनाती को लेकर शुक्रवार को कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने गैरसैंण चौराहे पर प्रदर्शन किया। कांग्रेस ने चौराहे पर 2० मिनट का जाम लगाकर प्रदर्शन किया। कांग्रेसियों ने सीएचसी में जल्द विशेष चिकित्सकों की तैनाती करने की मांग उठाई है। शुक्रवार को कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने दोपहर बारह बजे से चौराहे पर 2० मिनट का जाम लगाया। मौके पर प्रदर्शन कर सरकार के विरोध में नारेबाजी की। प्रदर्शनकारियों ने सरकार पर गैरसैंण की उपेक्षा करने का आरोप लगाया है। इस अवसर पर नगर कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष सुरेन्द्र बिष्ट ने कहा कि स्वास्थ्य मंत्री डॉ. धन सिंह रावत कई बार सीएचसी गैरसैंण में विशेषज्ञ चिकित्सकों की नियुक्ति का आश्वासन दे चुके हैं लेकिन एक वर्ष से अधिक समय बीतने के बाद भी स्थिति जस की तस बनी हुयी है। निर्माणाधीन उप जिला चिकित्सालय के निर्माण बहुत धीमी गति से हो रहा है। उन्होंने निर्माण कार्य में तेजी लाने की मांग की। इसके साथ ही रेफर सेंटर बने सीएचसी गैरसैंण में मानकों के अनुरूप विशेषज्ञ चिकित्सकों और पेरा मेडिकल स्टाफ की नियुक्ति करने की मांग उठाई है। उन्होंने चेतावनी दी है

स्वामी, प्रकाशक एवं मुद्रक
देवेन्द्र जौहरी द्वारा
साप्ताहिक समाचार पत्र
''गुरुकृपा दर्पण'' को
रूद्र प्रिंटिग प्रेस, ई-34,
ओल्ड इड्रस्ट्रियल एरिया, हरिद्वार
(उत्तराखण्ड) से मुद्रित एवं
एस-3, अशोक विहार कालोनी,
कनखल, हरिद्वार (उत्तराखण्ड)
से प्रकाशित।
सम्पादक: **देवेन्द्र जौहरी**
मो. – **9997331129**
E-mail :
gurukripadarpan@gmail.com